

प्रधानमंत्री मोदी का काशी विश्वनाथ मंदिर का दौरा

चर्चा में क्यों

भारत के प्रधानमंत्री ने हाल ही में वाराणसी का दौरा किया, जो तीसरी बार पदभार ग्रहण करने के बाद उनकी इस पवित्र नगरी की पहली यात्रा थी।

मुख्य बंदि:

- उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरडोर परियोजना के प्रथम चरण का उदघाटन किया।
- यह कॉरडोर मंदिर को गंगा नदी के तट से जोड़ता है और भारत की सनातन संस्कृति का प्रतीक है।
- उदघाटन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने दर्शकों को संबोधित करते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर के ऐतिहासिक महत्त्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने अतीत में हुए आक्रमणों और इसकी छ्वा को धूमलि करने के परयासों के बावजूद शहर की दृढ़ता पर भी प्रकाश डाला।
- उदघाटन से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के काल भैरव मंदिर में पूजा-अर्चना की।
- शाम को प्रधानमंत्री मोदी गंगा आरती में शामिल हुए। यह यात्रा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, जो वाराणसी तथा उसके भव्य मंदिर के सार को सम्मान देती है।

काशी विश्वनाथ कॉरडोर

- काशी विश्वनाथ कॉरडोर प्रतष्ठिति काशी विश्वनाथ मंदिर तथा गंगा नदी के घाटों को जोड़ता है।
- काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शवि को समर्पित सबसे प्रसदिध हट्टि मंदिरों में से एक है।
- यह मंदिर पवतिर गंगा नदी के पश्चिमी तट पर स्थति है तथा बारह ज्योतिरलिगिों में से एक है, जो सबसे पवतिर शवि मंदिर है।
- काशी विश्वनाथ धाम भारत के शीर्ष तीरथ स्थलों में से एक बन गया है क्योंकि आँकड़ों के अनुसार वगित दो वर्षों में लगभग 12.9 करोड श्रद्धालुओं ने मंदिर का दर्शन किया।